निम्नलिखित गद्यांश का सार एक-तिहाई शब्दों में लिखिए|

जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है| हम सब जानते हैं कि हमारे लिए जल कितना महत्वपूर्ण है| तेज गर्मी के चलते लोग एक–एक बूंद के लिए तरस रहे हैं| लेकिन ये बातें हम तक भूल जाते हैं जब अपनी टंकी के सामने मुँह धोते हुए पानी को बरबाद करते हैं| जब हम कई लीटर मूल्यवान पानी अपनी कार धोने में खर्च कर देते हैं| आज पूरी दुनिया के सामने पीने के पानी की समस्या है| पृथ्वी पर तीन चौथाई पानी होने के बाद भी पीने योग्य पानी सीमित मात्रा में है| नदियों, तालाबों और झरनों को पहले ही हम केमिकल की भेंट चढ़ा चुके हैं| प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें लौटना है| हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों को दूषित नहीं होने देते दें, और पानी को व्यर्थ न गँवाएँ|

दिए गए पाठ के लेखक/कवि का नाम लिखिए|

बहादुर

गिल्लू

आह्वान

रॉबर्ट नर्सिंग होम में

प्रश्न विदेश-यात्रा पर जाने वाले मित्र को मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना पत्र लिखिए|

_____ _____

_____ _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____|

_____

_____